पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

प्रधानमंत्री ने सुशासन दिवस पर लखनऊ में 230 करोड़ रु0 की लागत से 65 एकड़ में निर्मित 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का लोकार्पण किया, इस अवसर पर रक्षा मंत्री, उ0प्र0 की राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति रही

प्रधानमंत्री ने 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' में डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी, पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 65–65 फीट ऊँची प्रतिमा, म्यूजियम का लोकार्पण किया

प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री और उनकी पूरी टीम तथा राष्ट्र प्रेरणा स्थल प्रोजेक्ट से जुड़े सभी श्रमिकों, कारीगरों व योजनाकारों को बधाई दी

राष्ट्र प्रेरणा स्थल उस सोच का प्रतीक, जिसने भारत को आत्मसम्मान, एकता और सेवा का मार्ग दिखाया : प्रधानमंत्री

उ0प्र0 21वीं सदी के भारत में अपनी एक अलग पहचान बना रहा, राष्ट्र प्रेरणा स्थल जैसे आधुनिक निर्माण प्रदेश की नई छवि को और अधिक रोशन बनाते

प्रदेश में 'एक जनपद एक उत्पाद' का बहुत बड़ा अभियान चल रहा तथा बहुत बड़ा डिफेन्स कॉरिडोर बन रहा

ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने जिस ब्रह्मोस मिसाइल का जलवा देखा, वह अब लखनऊ में बन रही

उ0प्र0 आज भारत का नम्बर एक मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग वाला राज्य, यह एक्सप्रेस–वे स्टेट के रूप में अपनी पहचान बना रहा

प्रधानमंत्री ने कामना की कि उ0प्र0 सुशासन, समृद्धि और सच्चे सामाजिक न्याय के मॉडल के रूप में और बुलन्दी हासिल करे

प्रधानमंत्री जी के पंचप्रण के मंत्र से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री जी ने शानदार राष्ट्र प्रेरणा स्थल का निर्माण कराया : केन्द्रीय रक्षा मंत्री

प्रधानमंत्री जी आधुनिक भारत के शिल्पकार तथा एक भारत व श्रेष्ठ भारत के स्वप्नदृष्टा : मुख्यमंत्री

डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं0 दीनदयाल उपाध्याय तथा श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की विरासत को प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप आगे बढ़ाने के उद्देश्य से लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का निर्माण किया गया

इन महापुरुषों ने भारत को नयी दृष्टि व प्रेरणा प्रदान की

प्रधानमंत्री जी, अन्त्योदय के स्वप्न को साकार करने तथा सुशासन को मूर्तरूप प्रदान करने वाले इन तीनों महापुरुषों की विरासत को आगे बढ़ा रहे

देश में प्रत्येक क्षेत्र में विरासत और विकास का अद्भुत समन्वय दिखाई दे रहा

लखनऊ : 25 दिसम्बर, 2025

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आज यहां पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती सुशासन दिवस के अवसर पर बसन्त कुन्ज योजना,

सेक्टर–जे में 230 करोड़ रुपये की लागत से 65 एकड़ क्षेत्रफल में निर्मित 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल में डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी, पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 65–65 फीट ऊँची प्रतिमा का लोकार्पण किया। उन्होंने पं0 दीनदयाल उपाध्याय, डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल में म्यूजियम का लोकार्पण तथा इसका अवलोकन किया और भारत माता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल के विकास पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। प्रधानमंत्री जी ने सभी को राष्ट्र प्रेरणा स्थल तथा क्रिसमस की शुभकामनाएँ दीं।

प्रधानमंत्री जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज लखनऊ की भूमि एक नई प्रेरणा की साक्षी बन रही है। आज उन्हें राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करने का सौभाग्य मिला है। यह राष्ट्र प्रेरणा स्थल उस सोच का प्रतीक है, जिसने भारत को आत्मसम्मान, एकता और सेवा का मार्ग दिखाया है। डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं0 दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाएँ जितनी ऊँची हैं, इनसे मिलने वाली प्रेरणा उससे भी अधिक बुलन्द है। अटल जी ने लिखा था 'नीरवता से मुखरित मधुबन, परहित अर्पित अपना तन–मन, जीवन को शत–शत आहुति में जलना होगा, गलना होगा, कदम मिलाकर चलना होगा।' यह राष्ट्र प्रेरणा स्थल हमें संदेश देता है कि हमारा हर कदम, हर प्रयास राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित हो। सबका प्रयास ही विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि प्रदान करेगा।

प्रधानमंत्री जी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी और उनकी पूरी टीम तथा राष्ट्र प्रेरणा स्थल प्रोजेक्ट से जुड़े सभी श्रमिकों, कारीगरों व योजनाकारों को बधाई देते हुए कहा कि जिस जमीन पर यह प्रेरणा स्थल बना है, उसकी 30 एकड़ से ज्यादा जमीन पर कई दशकों से कूड़े–कचरे का पहाड़ जमा था। पिछले तीन वर्षों में इसे पूरी तरह समाप्त किया गया। डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं0 दीनदयाल उपाध्याय और श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी, इन तीन महापुरुषों की प्रेरणा और उनके विजनरी कार्य तथा राष्ट्र प्रेरणा स्थल में स्थापित विशाल प्रतिमाएँ विकसित भारत का बड़ा आधार हैं। इनकी प्रतिमाएँ हमें नई ऊर्जा से भर रही हैं।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि डबल इंजन सरकार का बहुत अधिक फायदा उत्तर प्रदेश को हो रहा है। उत्तर प्रदेश 21वीं सदी के भारत में अपनी एक अलग पहचान बना रहा है। यह उनका सौभाग्य है कि वह उत्तर प्रदेश से सांसद हैं। उत्तर प्रदेश के मेहनतकश लोग एक नया भविष्य लिख रहे हैं। कभी उत्तर प्रदेश की चर्चा खराब कानून–व्यवस्था के लिए होती थी, आज इसकी चर्चा विकास के लिए होती है। आज उत्तर प्रदेश, देश के पर्यटन मानचित्र पर तेजी से उभर रहा है। अयोध्या में भव्य श्रीराम मन्दिर तथा काशी विश्वनाथ धाम,

यह दुनिया में उत्तर प्रदेश की नई पहचान के प्रतीक बन रहे हैं। राष्ट्र प्रेरणा स्थल जैसे आधुनिक निर्माण उत्तर प्रदेश की नई छवि को और अधिक रोशन बनाते हैं। प्रधानमंत्री जी ने कामना की कि उत्तर प्रदेश सुशासन, समृद्धि और सच्चे सामाजिक न्याय के मॉडल के रूप में और बुलन्दी हासिल करे।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश को दिशा देने में निर्णायक भूमिका निभाई। डॉ0 मुखर्जी ने भारत में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान की व्यवस्था को खारिज किया था। आजादी के बाद भी जम्मू–कश्मीर में यह व्यवस्था भारत की अखण्डता के लिए बहुत बड़ी चुनौती थी। हमें गर्व है कि हमारी सरकार को अनुच्छेद–370 की दीवार गिराने का अवसर मिला। आज भारत का संविधान जम्मू–कश्मीर में भी पूरी तरह लागू है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि स्वतंत्र भारत के पहले उद्योग मंत्री के रूप में डॉ0 मुखर्जी ने देश में आर्थिक आत्मनिर्भरता की नींव रखी थी। उन्होंने देश को पहली औद्योगिक नीति दी और भारत में औद्योगीकरण की बुनियाद रखी। आज आत्मनिर्भरता के उसी मंत्र को हम नई बुलन्दी दे रहे हैं। मेड इन इण्डिया सामान आज दुनिया भर में पहुँच रहा है। उत्तर प्रदेश में ही एक ओर 'एक जनपद एक उत्पाद' का बहुत बड़ा अभियान चल रहा है तथा छोटे–छोटे उद्योगों व छोटी–छोटी इकाइयों का सामर्थ्य बढ़ रहा है। वहीं दूसरी तरफ, उत्तर प्रदेश में ही बहुत बड़ा डिफेन्स कॉरिडोर बन रहा है। ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने जिस ब्रह्मोस मिसाइल का जलवा देखा, वह अब लखनऊ में बन रही है। वह दिन दूर नहीं है, जब उत्तर प्रदेश का डिफेन्स कॉरिडोर दुनिया भर में डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए जाना जाएगा।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि दशकों पहले पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी ने अन्त्योदय का स्वप्न देखा था। वह मानते थे कि भारत की प्रगति का पैमाना अन्तिम पंक्ति में खड़े अन्तिम व्यक्ति के चेहरे की मुस्कान से मापा जाएगा। दीनदयाल जी ने एकात्म मानववाद का दर्शन भी दिया। शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा सबका विकास होना चाहिए। दीनदयाल जी के सपने को हमने अपना संकल्प बनाया है। हमने अन्त्योदय को सैचुरेशन अर्थात संतुष्टीकरण का नया विस्तार दिया है। सैचुरेशन अर्थात हर जरूरतमंद और हर लाभार्थी को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के दायरे में लाने का प्रयास करना। जब सैचुरेशन की भावना होती है, तो भेदभाव नहीं होता है। यही सुशासन, सच्चा सामाजिक न्याय और सेकुलरिज्म भी है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि आज देश के करोड़ों नागरिकों को बिना किसी भेदभाव पक्का घर, शौचालय, नल से जल, बिजली और गैस कनेक्शन मिल रहा है। करोड़ों लोगों को मुफ्त अनाज और मुफ्त इलाज मिल रहा है। पंक्ति में खड़े अन्तिम व्यक्ति तक पहुँचने का प्रयास हो रहा है। यही पं0 दीनदयाल जी का विजन था। करोड़ों भारतीयों ने गरीबी को परास्त किया है। यह इसलिए सम्भव हुआ, क्योंकि हमारी सरकार ने पीछे छूट गए और अन्तिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को प्राथमिकता दी।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले करीब 25 करोड़ देशवासी सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के दायरे में थे। आज करीब 95 करोड़ भारतवासी इस सुरक्षा कवच के दायरे में है। उत्तर प्रदेश में भी बड़ी संख्या में लोगों को इसका लाभ मिला है। बीमा की सुविधा पहले कुछ लोगों तक सीमित थी। हमारी सरकार ने अन्तिम व्यक्ति तक

बीमा सुरक्षा पहुँचाने का बीड़ा उठाया। इसके लिए प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना बनाई गई। इसमें मामूली प्रीमियम पर 02 लाख रुपये का बीमा कवर सुनिश्चित हुआ। आज इस योजना से 25 करोड़ से ज्यादा गरीब जुड़े हैं। इसी प्रकार दुर्घटना बीमा के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना चल रही है। इससे भी लगभग 55 करोड़ लोग जुड़े हैं। इन योजनाओं से लगभग 25 हजार करोड़ रुपये का क्लेम छोटे–छोटे परिवार के सामान्य गरीब लोगों को मिला है। संकट के समय यह पैसा गरीब परिवारों के काम आया है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि आज श्रद्धेय अटल जी की जयंती का यह दिन, सुशासन के उत्सव का भी दिन है। लम्बे समय तक देश में गरीबी हटाओ जैसे नारों को ही गवर्नेंस मान लिया गया था। अटल जी ने सही मायने में सुशासन को जमीन पर उतारा। आज डिजिटल पहचान की बहुत चर्चा होती है, इसकी नींव रखने का काम अटल जी की सरकार ने ही किया था। उस समय जिस विशेष काम के लिए इसकी शुरुआत की गई थी, वह आज आधार के रूप में विश्वविख्यात हो चुकी है। भारत में टेलीकॉम क्रान्ति को गति देने का श्रेय भी अटल जी को ही जाता है। उनकी सरकार द्वारा बनाई गई टेलीकॉम नीति से घर–घर तक फोन और इण्टरनेट पहुँचना आसान हो गया। आज भारत दुनिया में सबसे अधिक मोबाइल और इण्टरनेट यूजर वाले देशों में से एक है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि विगत 11 वर्षों में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता बन गया है। जिस प्रदेश से अटल जी सांसद रहे, वह उत्तर प्रदेश आज भारत का नम्बर एक मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग वाला राज्य बन गया है। कनेक्टिविटी के सम्बन्ध में अटल जी के विजन ने 21वीं सदी के भारत को मजबूती प्रदान की। अटल जी के समय ही गाँव–गाँव तक सड़कें पहुंचाने का अभियान शुरू किया गया था। उसी समय स्वर्णिम चतुर्भुज हाईवे के विस्तार पर काम शुरू हुआ। वर्ष 2000 के बाद से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत अब तक करीब 08 लाख किलोमीटर सड़कें बनी हैं। इनमें से करीब 04 लाख किलोमीटर ग्रामीण सड़कें विगत 10 से 11 वर्षों में बनी है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि आज हमारे देश में तीव्र गति से एक्सप्रेस–वे बनाने का काम चल रहा है। उत्तर प्रदेश भी एक्सप्रेस–वे स्टेट के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। अटल जी ने ही दिल्ली में मेट्रो की शुरुआत की थी। आज देश के 20 से ज्यादा शहरों में मेट्रो नेटवर्क लाखों लोगों का जीवन आसान बना रहा है। अटल जी की सरकार ने सुशासन की जो विरासत स्थापित की, उसे आज हमारी केन्द्र और राज्य की सरकारें नया आयाम दे रही हैं।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि आजादी के बाद भारत में हुए हर अच्छे काम को एक ही परिवार से जोड़ने की प्रवृत्ति रही है। हमने देश को इस पुरानी प्रवृत्ति से बाहर निकाला है। हमारी सरकार माँ भारती की सेवा करने वाली हर अमर विभूति और हर किसी के योगदान को सम्मान दे रही है। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा दिल्ली के कर्तव्य पथ पर स्थापित की गई है। अण्डमान निकोबार में जिस द्वीप पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने तिरंगा फहराया, उसका नामकरण उनके नाम पर किया गया है।

बाबा साहब डॉ0 भीमराव आंबेडकर जी की विरासत को मिटाने का प्रयास भी किया गया था। हमारी सरकार ने बाबा साहब की विरासत को मिटने नहीं दिया। आज दिल्ली से लेकर लंदन तक बाबा साहब से जुड़े पंच तीर्थ उनकी विरासत का जयघोष कर रहे हैं। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने सैकड़ों रियासतों में बंटे हमारे देश को एक किया, लेकिन आजादी के बाद उनके काम और उनके कद दोनों को छोटा करने का प्रयास किया गया। हमारी सरकार ने सरदार पटेल जी को वह मान और सम्मान दिया, जिसके वह हकदार थे। हमने सरदार पटेल जी की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्थापित कराई और एकता नगर के रूप में एक प्रेरणास्थली का निर्माण किया।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि हमारे यहाँ दशकों तक आदिवासियों के योगदान को उचित स्थान नहीं दिया गया। हमने भगवान बिरसा मुण्डा तथा उत्तर प्रदेश में महाराजा सुहेलदेव का स्मारक बनवाया। उत्तर प्रदेश में ही निषादराज और प्रभु श्रीराम की मिलन स्थली को अब जाकर मान–सम्मान मिला। राजा महेन्द्र प्रताप सिंह से लेकर चौरी–चौरा के शहीदों तक माँ भारती के सपूतों के योगदान को हमारी सरकार ने ही पूरी श्रद्धा और विनम्रता से याद किया है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि परिवारवाद की राजनीति की एक विशिष्ट पहचान होती है। यह असुरक्षा से भरी हुई होती है। आजाद भारत में अनेक प्रधानमंत्री हुए, लेकिन राजधानी दिल्ली में स्थित म्यूजियम में अनेक पूर्व प्रधानमंत्रियों को नजरअंदाज किया गया। इस स्थिति को भी हमारी सरकार ने ही बदला है। आज इस संग्रहालय में आजाद भारत के हर प्रधानमंत्री को उचित सम्मान और स्थान दिया गया है। हमारे संस्कार हमें सभी का सम्मान करना सिखाते हैं। विगत 11 वर्षों में हमारी सरकार के दौरान श्री पी0वी0 नरसिम्हा राव और श्री प्रणब मुखर्जी को भारत रत्न दिया गया। हमारी सरकार ने ही श्री मुलायम सिंह यादव जैसे अनेक नेताओं को राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि 25 दिसम्बर का यह दिन देश की दो महान विभूतियों के जन्म का अद्भुत संयोग लेकर आता है। भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी तथा भारत रत्न महामना पं0 मदन मोहन मालवीय जी, इन दोनों महापुरुषों ने भारत की अस्मिता, एकता और गौरव की रक्षा की तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी अमिट छाप छोड़ी। 25 दिसम्बर को ही महाराजा बिजली पासी जी की भी जन्म जयन्ती है। लखनऊ में प्रसिद्ध बिजली पासी किला स्थित है। महाराजा बिजली पासी ने वीरता, सुशासन और समावेश की जो विरासत छोड़ी, उसे हमारे पासी समाज ने गौरव के साथ आगे बढ़ाया है। श्रद्धेय अटल जी ने ही वर्ष 2000 में महाराजा बिजली पासी के सम्मान में डाक टिकट जारी किया था।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में अन्तरराष्ट्रीय जगत में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। भारत विकास की बुलंदियों की ओर तेजी से अग्रसर है। प्रधानमंत्री जी एक ऐसे राजनेता हैं, जिन्हें दुनिया के 29 देशों का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुआ है। पिछले एक दशक में हमारा देश बहुत आगे बढ़ा है। प्रधानमंत्री जी के पंच प्रण के मंत्र से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने लखनऊ में एक शानदार राष्ट्र प्रेरणा स्थल का निर्माण कराया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रधानमंत्री जी के प्रदेश आगमन पर उनका स्वागत करते हुए कहा कि डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं0 दीनदयाल उपाध्याय तथा श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की विरासत को आगे बढ़ाने तथा उनकी स्मृतियों को नमन करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का निर्माण किया गया है। इस राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण प्रधानमंत्री जी के कर–कमलों से हुआ है। यहाँ इन महापुरुषों की भव्य प्रतिमाओं के साथ–साथ म्यूजियम का निर्माण किया गया है। आज इस म्यूजियम का भी लोकार्पण हुआ है। यह भारत माता के महान सपूतों को नमन करने का अवसर है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इन सभी महापुरुषों ने भारत को नयी दृष्टि व प्रेरणा प्रदान की। डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने स्वतंत्र भारत में 'एक देश, एक विधान, एक निशान तथा एक प्रधान' का उद्घोष किया था। डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार होते देख आज प्रत्येक देशवासी प्रफुल्लित दिखाई दे रहा है। भारत माता के महान सपूत व विचारक पं0 दीनदयाल उपाध्याय के सपनों के भारत में अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में नया परिवर्तन होता हुआ दिखाई दे रहा है। विगत 11 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से उबारकर सामान्य जीवनयापन योग्य बनाया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, शिक्षाविद् तथा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना पं0 मदन मोहन मालवीय जी की पावन जयंती है। प्रधानमंत्री जी ने देश के प्रति उनके द्वारा की गयी सेवाओं को सम्मान देते हुए उन्हें भारतरत्न से विभूषित किया। आज लखनऊ के महान योद्धा महाराजा बिजली पासी की भी पावन जयन्ती है। प्रत्येक भारतवासी के मन में उनके प्रति अटूट श्रद्धाभाव है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी, अन्त्योदय के स्वप्न को साकार करने तथा सुशासन को मूर्तरूप प्रदान करने वाले इन तीनों महापुरुषों की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री जी देश को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने के लक्ष्य के साथ आधुनिक भारत के शिल्पकार तथा एक भारत व श्रेष्ठ भारत के स्वप्नदृष्टा हैं। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से आज हम आत्मनिर्भर भारत का वर्तमान स्वरूप देख रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह वर्ष श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मशताब्दी महोत्सव का वर्ष है। अटल जी कहते थे कि 'अन्धेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा' यह केवल आशा मात्र नहीं, बल्कि भारत राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य को लेकर उनके अडिग विश्वास, दूरदृष्टि तथा दृढ़संकल्प का उद्घोष था। अटल जी ने एक कवि, पत्रकार, राष्ट्रवादी विचारक तथा भारत के सच्चे सपूत के रूप में भारत को जो विजन व नेतृत्व दिया, उसे हम वर्तमान भारत में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में साकार होते हुए देख रहे हैं। प्रत्येक क्षेत्र में विरासत और विकास का अद्भुत समन्वय दिखाई दे रहा है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य व श्री ब्रजेश पाठक, केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी, प्रदेश के वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह तथा गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

————————